



RashiDaily

करियर और नौकरी समय रिपोर्ट

आपका नाम

विंशोत्तरी दशा · वैदिक करियर समय

वर्तमान करियर काल

अभी सक्रिय: अक्टूबर 2026 से नवम्बर 2027 तक

विंशोत्तरी दशा की जिस अवधि को परंपरा काम से जोड़ती है, वह रिपोर्ट खरीदे जाने के दिन पहले से चल रही थी। शास्त्रीय ग्रंथ ऐसे कालों को वे समय मानते हैं जब काम से जुड़े मामले आगे आते हैं।

आपकी जन्म तिथि और समय

आपका जन्म स्थान

rashidaily.com



आपकी करियर रूपरेखा

इस रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष एक ही जगह हैं, और हर निष्कर्ष अलग पृष्ठ पर समझाया गया है

यह रिपोर्ट 10वां भाव और उसके दशमेश, काम से जुड़े ग्रहों, विंशोत्तरी दशा और ग्रहों के माध्यम से देखी जाने वाली D10 कुंडली का विश्लेषण करती है। हर निष्कर्ष किसी नामित परंपरा से लिया गया है, और इसमें दिए गए कालखंड तथा कारक ज्योतिषीय संकेत हैं, निश्चितताएँ नहीं। जहां परंपरा अलग-अलग व्याख्या देती है, वहां शास्त्रीय और आधुनिक दृष्टियों को अलग रखा गया है।

अभी सक्रिय

अक्टूबर 2026 से नवम्बर 2027 तक

करियर काल · केतु महादशा, शुक्र अंतरदशा

आपकी कुंडली में शुक्र की अवधि परंपरा के अनुसार कला, सुविधा, सहयोग और परिष्कार से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब सहजता, रुचि और सामंजस्य गतिविधियों पर छाप छोड़ सकते हैं।

अन्य करियर काल: मार्च 2028 से अप्रैल 2030 तक (करियर काल); मार्च 2031 से अप्रैल 2033 तक (करियर काल); अप्रैल 2033 से अगस्त 2036 तक (प्रबल करियर काल); अगस्त 2036 से अक्टूबर 2036 तक (करियर काल)

कार्य का प्रकार

शिक्षा और वित्त

दशमेश शुक्र, बृहस्पति द्वारा शासित नवांश में

नौकरी या व्यवसाय

व्यापार की ओर

सशक्त पक्ष और चुनौतियाँ

मिला-जुला

अनुकूल कारक: 0 · प्रतिकूल कारक: 1

D10 में दशमेश

मेष

कोई विशेष स्थिति नहीं

धैर्य काल

अप्रैल 2030 से मार्च 2031 तक

वर्तमान दशा अवधि

केतु / शुक्र

दिनांक नवम्बर 2027 तक

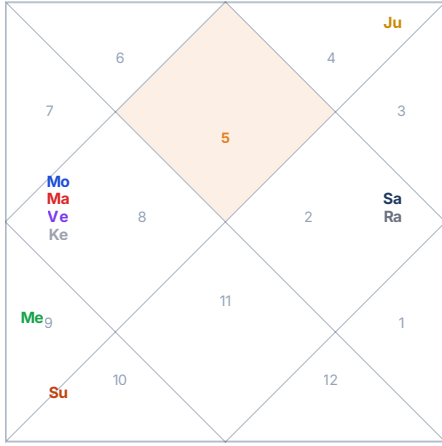




आपकी जन्म कुंडली

निरयण (लाहिरी) स्थितियाँ और 10वां भाव (कार्य भाव)

D1 • राशि चार्ट



Su सूर्य Mo चंद्र Ma मंगल Me बुध Ju बृहस्पति Ve शुक्र
Sa शनि Ra राहु Ke केतु

लग्न	सिंह
राशि	वृश्चिक
नक्षत्र	अनुराधा-3
10वां भाव	वृषभ
दशमेश	शुक्र

ग्रह	राशि	भाव
सूर्य	मकर	6
चंद्र	वृश्चिक	4
मंगल	वृश्चिक	4
बुध	धनु	5
बृहस्पति	कर्क R	12
शुक्र	वृश्चिक	4
शनि	वृषभ R	10
राहु	वृषभ R	10
केतु	वृश्चिक R	4

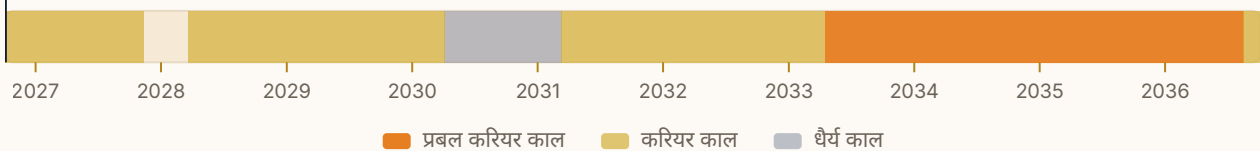




करियर कालखंड

आपकी दशा में परंपरा के अनुसार कार्य से जुड़े कालखंड, अक्टूबर 2026 से अक्टूबर 2036 तक

खरीद की तारीख



करियर काल. इस अवधि में भी काम का संकेत है, पर प्रबल करियर काल जितना सीधा नहीं। इसके दो स्वामियों में से केवल एक ही काम से जुड़ा है, या अंतरदशा का स्वामी मुख्य ग्रह नहीं, सहायक ग्रह है।

प्रबल करियर काल. इस खंड के दोनों स्वामी आपकी कुंडली में काम से जुड़े हैं, और अंतरदशा का स्वामी एक मुख्य ग्रह है: आपका दशमेश या 10वें भाव में स्थित कोई ग्रह। जिन अवधियों को यह रिपोर्ट देखती है, उनमें शास्त्रीय परंपरा इन्हें सबसे सीधे संकेतों में रखती है।

अक्टूबर 2026 से नवम्बर 2027 तक

करियर काल • अभी सक्रिय

केतु महादशा, शुक्र अंतरदशा

शुक्र मुख्य दशम भाव के स्वामी • 10वें भाव पर दृष्टि

आपकी कुंडली में शुक्र की अवधि परंपरा के अनुसार कला, सुविधा, सहयोग और परिष्कार से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब सहजता, रुचि और सामंजस्य गतिविधियों पर छाप छोड़ सकते हैं।

यह आपके तीसरे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि आपके अपने प्रयास और साहस, संवाद, छोटी यात्राओं और आपकी मदद करने वालों से भी जुड़ती है।

यह आपके दसवें भाव, यानी स्वयं काम के भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि करियर, पद और अधिकार से सीधे जुड़ती है।

अच्छी स्थिति शुक्र: केंद्र में

महादशा स्वामी से अनुकूल शुक्र, केतु से पहले स्थान पर

इन टिप्पणियों को कैसे समझें

अच्छी स्थिति यह ग्रह आपकी कुंडली में अच्छी स्थिति में है: उच्च का है, स्वराशि में है, या केंद्र या त्रिकोण में है। परंपरा मानती है कि इसकी अवधि उससे जुड़ी बातें अपेक्षाकृत आसानी से देती है।

मिश्रित स्थिति आपकी कुंडली में इस ग्रह का एक पक्ष मजबूत है और एक कमजोर। परंपरा दोनों को साथ रखकर देखती है, इसलिए इसकी अवधि न तो केवल आसान मानी जाती है, न ही केवल कठिन।

महादशा स्वामी से अनुकूल इस अवधि के दोनों स्वामी ग्रह आपस में अच्छी स्थिति में हैं, इसलिए परंपरा महादशा और अंतरदशा को एक साथ काम करते हुए देखती है।



करियर कालखंड

जारी

मार्च 2028 से अप्रैल 2030 तक

करियर काल

केतु महादशा, चंद्र अंतरदशा; केतु महादशा, मंगल अंतरदशा; केतु महादशा, राहु अंतरदशा

चंद्र सहायक 10वें भाव पर दृष्टि

आपकी कुंडली में चंद्र की अवधि परंपरा के अनुसार जन-संपर्क, प्रतिक्रियाशीलता और परिवर्तन से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब बदलती परिस्थितियाँ और दूसरों से संपर्क अधिक महत्त्व रख सकते हैं।

यह आपके बारहवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि व्यय, दूर के स्थानों और पदों के पीछे होने वाले काम से भी जुड़ती है।

मंगल सहायक 10वें भाव पर दृष्टि

आपकी कुंडली में मंगल की अवधि परंपरा के अनुसार कामकाज में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और निर्णायक प्रयास से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब दृढ़ता के विषय आगे आ सकते हैं।

यह आपके चौथे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि घर और संपत्ति, वाहनों और आंतरिक संतोष से भी जुड़ती है।

यह आपके नौवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि भाग्य, सिद्धांतों, गुरुजनों और लंबी यात्राओं से भी जुड़ती है।

राहु मुख्य 10वें भाव में

आपकी कुंडली में राहु की अवधि परंपरा के अनुसार महत्वाकांक्षा, अपरिचितता और गैर-परंपरागत रास्तों से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब असामान्य या सांसारिक विषय अधिक प्रमुख हो सकते हैं।

अच्छी स्थिति मंगल: स्वराशि · केंद्र में

मिश्रित स्थिति चंद्र: केंद्र में · नीच

महादशा स्वामी से अनुकूल चंद्र, केतु से पहले स्थान पर; मंगल, केतु से पहले स्थान पर; राहु, केतु से सातवें स्थान पर





करियर कालखंड

जारी

मार्च 2031 से अप्रैल 2033 तक

करियर काल

केतु महादशा, शनि अंतरदशा; केतु महादशा, बुध अंतरदशा

शनि मुख्य 10वें भाव में • सेवा के 6ठे भाव के स्वामी

आपकी कुंडली में शनि की अवधि परंपरा के अनुसार संरचना, अनुशासन और लंबे प्रयास से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब स्थिर, लगातार चलने वाले विषय सामने आ सकते हैं।

यह आपके छठे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि सेवा और रोज़मर्रा के काम, प्रतिस्पर्धा और पार की जाने वाली कठिनाइयों से भी जुड़ती है।

यह आपके सातवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि साझेदारी, व्यापार और दूसरों के साथ व्यवहार, तथा यात्राओं से भी जुड़ती है।

बुध सहायक लाभ के 11वें भाव के स्वामी

आपकी कुंडली में बुध की अवधि परंपरा के अनुसार संचार, व्यापार, अध्ययन और तकनीकी कौशल से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब बोलने, लिखने और बारीकियों को संभालने का पक्ष अधिक महत्व रख सकता है।

यह आपके दूसरे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि आय और बचत, परिवार और आपके संचित साधनों से भी जुड़ती है।

यह आपके ग्यारहवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि आय, लाभ और लक्ष्यों की पूर्ति से भी जुड़ती है।

अच्छी स्थिति शनि: केंद्र में; बुध: त्रिकोण में

महादशा स्वामी से अनुकूल शनि, केतु से सातवें स्थान पर

अप्रैल 2033 से अगस्त 2036 तक

प्रबल करियर काल

शुक्र महादशा, शुक्र अंतरदशा

शुक्र मुख्य दशम भाव के स्वामी • 10वें भाव पर दृष्टि

आपकी कुंडली में शुक्र की अवधि परंपरा के अनुसार कला, सुविधा, सहयोग और परिष्कार से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब सहजता, रुचि और सामंजस्य गतिविधियों पर छाप छोड़ सकते हैं।

यह आपके तीसरे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि आपके अपने प्रयास और साहस, संवाद, छोटी यात्राओं और आपकी मदद करने वालों से भी जुड़ती है।

यह आपके दसवें भाव, यानी स्वयं काम के भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि करियर, पद और अधिकार से सीधे जुड़ती है।

अच्छी स्थिति शुक्र: केंद्र में



करियर कालखंड

जारी

अगस्त 2036 से अक्टूबर 2036 तक

करियर काल

शुक्र महादशा, सूर्य अंतरदशा

शुक्र मुख्य दशम भाव के स्वामी · 10वें भाव पर दृष्टि

आपकी कुंडली में शुक्र की अवधि परंपरा के अनुसार कला, सुविधा, सहयोग और परिष्कार से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब सहजता, रुचि और सामंजस्य गतिविधियों पर छाप छोड़ सकते हैं।

यह आपके तीसरे भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि आपके अपने प्रयास और साहस, संवाद, छोटी यात्राओं और आपकी मदद करने वालों से भी जुड़ती है।

यह आपके दसवें भाव, यानी स्वयं काम के भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि करियर, पद और अधिकार से सीधे जुड़ती है।

अच्छी स्थिति शुक्र: केंद्र में





धैर्य काल

परंपरा जिन ग्रहों की अंतरदशाओं को धैर्य मांगने वाली मानती है, वे करियर काल से अलग

इन दस वर्षों में कुछ अंतरदशाएँ ऐसे ग्रहों के अधीन हैं जिन्हें शास्त्रीय ग्रंथ धैर्य मांगने वाला मानते हैं, और उन्हें करियर-कालों से अलग सूचीबद्ध किया गया है। वे कुंडली का वर्णन करती हैं, यह नहीं कि क्या होगा, और धैर्य मांगने वाली अवधि काम के संदर्भ में खराब नहीं मानी जाती।

अप्रैल 2030 से मार्च 2031 तक

धैर्य काल

केतु महादशा, बृहस्पति अंतरदशा

बृहस्पति

आपकी कुंडली में बृहस्पति की अवधि परंपरा के अनुसार मार्गदर्शन, शिक्षण और विस्तार से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब ज्ञान और व्यापक समझ पर बल रहता है।

यह आपके पाँचवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि शिक्षा, बुद्धि और परामर्श, तथा भरोसे के पदों से भी जुड़ती है।

यह आपके आठवें भाव का स्वामी है, इसलिए इसकी अवधि परिवर्तन और अप्रत्याशित बातों, छिपे विषयों और दूसरों के संसाधनों से भी जुड़ती है।

मिश्रित स्थिति बृहस्पति: उच्च • बारहवें भाव में

महादशा स्वामी से अनुकूल बृहस्पति, केतु से नौवें स्थान पर

इन ग्रहों का आधार

बृहस्पति 8वें भाव के स्वामी

8वें भाव का स्वामी, जो आपकी कुंडली में परिवर्तन और अनपेक्षित बातों से जुड़ा है, जब उसकी अवधि करियर में कोई भूमिका नहीं निभाती, तो शास्त्रीय दृष्टि में धैर्य मांगने वाला माना जाता है। यह एक ज्योतिषीय संकेत है, परिणाम नहीं।

6	1	8
7	5	3
2	9	4



आपका 10वां भाव

शास्त्रीय ग्रंथ आपकी कुंडली से जिस कार्य के प्रकार को जोड़ते हैं, और उसका झुकाव नौकरी की ओर है या व्यवसाय की ओर

आपका दशमेश कहाँ स्थित है

आपका दशमेश शुक्र आपकी कुंडली के चौथे भाव में है। पराशर इस स्थिति में काम को घर, भूमि और संपत्ति से जुड़ा मानते हैं, और इसे सुख-सुविधा और संपत्तियों से जोड़ते हैं।

आपके 10वें भाव के ग्रह

शनि

फलदीपिका 10वें भाव में स्थित शनि को ज़िम्मेदारी और पद, भूमि से जुड़े काम, साहस और यश से जोड़ती है।

राहु

फलदीपिका 10वें भाव में स्थित राहु को प्रसिद्धि, निर्भयता और दूसरों के मामलों में भागीदारी से जोड़ती है।

कार्य का प्रकार

आपका दशमेश, शुक्र, बृहस्पति के स्वामित्व वाली नवांश राशि में है। फलदीपिका कार्य का प्रकार उसी ग्रह से देखती है।

शिक्षा और वित्त

फलदीपिका इस ग्रह को शिक्षण और विद्वत् मार्गदर्शन, कानून, नैतिकता और परामर्शी भूमिकाओं, संस्थानों और संरक्षण, तथा वित्त और उधार से जोड़ती है। उसकी अपनी सूचियाँ अपने समय की हैं; आधुनिक पाठक इन्हें सलाह, प्रबंधन और संगठित संसाधनों की ओर झुकाव के रूप में लेते हैं।





आपका 10वां भाव

जारी

नौकरी या व्यवसाय

- ✕ सेवा के 6ठे भाव में दशमेश
- ✕ व्यापार के 7वें भाव में दशमेश
- ✓ सप्तमेश 10वें भाव में

व्यापार की ओर

आपकी कुंडली में दशमेश का 7वें भाव में होना, या 7वें भाव का स्वामी 10वें भाव में होना, आधुनिक ज्योतिषियों को स्वतंत्र काम, व्यापार या साझेदारी की ओर झुकाव मानते हैं। यह एक झुकाव है, विकल्पों की सीमा नहीं।

सशक्त पक्ष और चुनौतियाँ

मिला-जुला

सहायता और दबाव लगभग संतुलित हैं: दोनों बराबर हैं, या दबाव एक कारक से अधिक है। इसे संकेतों का मिला-जुला समूह माना जाता है, आपके कामकाज पर कोई निर्णय नहीं।

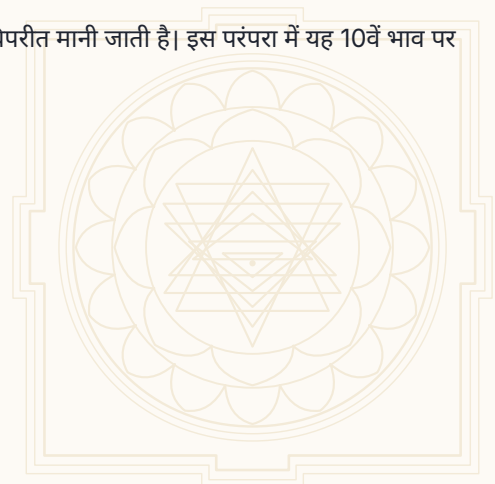
अनुकूल कारक

इस रिपोर्ट में जाँचे गए कारकों में से कोई भी नहीं

प्रतिकूल कारक

दशमेश के साथ अशुभ ग्रह चंद्र, मंगल, केतु

आपके दशमेश के साथ एक पाप ग्रह की युति BPHS 21.4 में शुभ ग्रह-सहायता के विपरीत मानी जाती है। इस परंपरा में यह 10वें भाव पर दबाव का संकेत है।





आपका 10वां भाव

जारी

आपकी D10 कुंडली

दशमांश में आपके करियर ग्रह कहाँ स्थित हैं, वह वर्ग कुंडली जिसे शास्त्रीय ग्रंथ कार्य के लिए देखते हैं

ग्रह	D10 राशि	स्थिति
शुक्र दशमेश	मेष	कोई विशेष स्थिति नहीं आपकी D10 में यह ग्रह न उच्च है, न अपनी राशि में, और न नीच। शास्त्रीय परंपरा इसे कार्य-चार्ट में तटस्थ स्थिति मानती है।
मंगल	वृश्चिक	स्वराशि आपकी D10 में यह ग्रह अपनी राशि में है, जिसे वहाँ अनुकूल और सहारा-युक्त स्थिति माना जाता है। शास्त्रीय परंपरा इसे कार्य-चार्ट में एक मजबूती मानती है।
बुध	मिथुन	स्वराशि आपकी D10 में यह ग्रह अपनी राशि में है, जिसे वहाँ अनुकूल और सहारा-युक्त स्थिति माना जाता है। शास्त्रीय परंपरा इसे कार्य-चार्ट में एक मजबूती मानती है।
चंद्र	वृश्चिक	नीच आपकी D10 में यह ग्रह नीच है, जिसे शास्त्रीय परंपरा वहाँ कम सहजता से कार्य करने वाली स्थिति मानती है। यह एक ज्योतिषीय चुनौती-संकेत है, परिणाम नहीं।
राहु	मेष	कोई विशेष स्थिति नहीं आपकी D10 में यह ग्रह न उच्च है, न अपनी राशि में, और न नीच। शास्त्रीय परंपरा इसे कार्य-चार्ट में तटस्थ स्थिति मानती है।
शनि	तुला	उच्च आपकी D10 में यह ग्रह उच्च है, जिसे शास्त्रीय परंपरा कार्य-सम्बंधी चार्ट में मजबूत स्थिति मानती है। यह पारंपरिक बल-संकेतों में से एक है।



महत्वपूर्ण कालखंड

अगले दस वर्षों की हर दशा अवधि, और उनमें से किन्हें परंपरा कार्य से जोड़ती है

से	तक	अवधि	कार्य
अक्टूबर 2026	नवम्बर 2027	केतु / शुक्र	करियर काल
नवम्बर 2027	मार्च 2028	केतु / सूर्य	
मार्च 2028	अक्टूबर 2028	केतु / चंद्र	करियर काल
अक्टूबर 2028	मार्च 2029	केतु / मंगल	करियर काल
मार्च 2029	अप्रैल 2030	केतु / राहु	करियर काल
अप्रैल 2030	मार्च 2031	केतु / बृहस्पति	धैर्य काल
मार्च 2031	अप्रैल 2032	केतु / शनि	करियर काल
अप्रैल 2032	अप्रैल 2033	केतु / बुध	करियर काल
अप्रैल 2033	अगस्त 2036	शुक्र / शुक्र	प्रबल करियर काल
अगस्त 2036	अक्टूबर 2036	शुक्र / सूर्य	करियर काल

इन दशाओं के अन्य ग्रह

केतु

आपकी कुंडली में केतु की अवधि परंपरा के अनुसार वैराग्य, विशेषीकरण और अंतर्मुखी ध्यान से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब सीमित या विशेषीकृत विषय आगे आ सकते हैं।

सूर्य

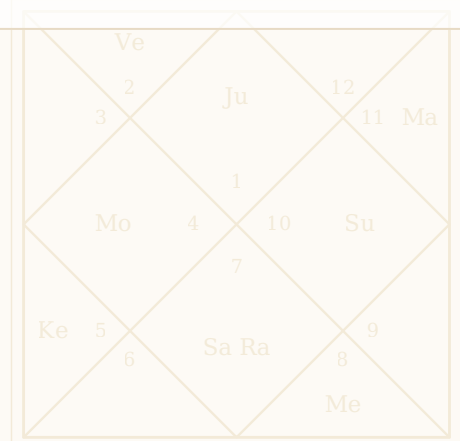
आपकी कुंडली में सूर्य की अवधि परंपरा के अनुसार कामकाज में अधिकार, पहचान और दृश्य जिम्मेदारी से जुड़ी मानी जाती है। इसे ऐसा समय माना जाता है जब नेतृत्व के विषय सामने आ सकते हैं।



इन दशाओं के चयन का आधार

वे ग्रह जिनकी दशाओं को शास्त्रीय ग्रंथ आपकी कुंडली में कार्य से जोड़ते हैं

ग्रह	महत्त्व	यह क्यों महत्त्वपूर्ण है
मंगल	सहायक	10वें भाव पर दृष्टि 10वें भाव पर दृष्टि करने वाला ग्रह उसे प्रभावित करता है, इसलिए उसकी अवधि सहायक रूप में काम कर सकती है।
बुध	सहायक	लाभ के 11वें भाव के स्वामी 11वें भाव का स्वामी लाभ और कामनाओं की पूर्ति से जुड़ा माना जाता है, और आधुनिक ज्योतिषी उसकी अवधियों को दृश्यता और पहचान के जरिए कामकाज के लिए सहायक मानते हैं। इस रिपोर्ट में यह द्वितीयक कारक है, प्राथमिक नहीं।
चंद्र	सहायक	10वें भाव पर दृष्टि 10वें भाव पर दृष्टि करने वाला ग्रह उसे प्रभावित करता है, इसलिए उसकी अवधि सहायक रूप में काम कर सकती है।
राहु	मुख्य	10वें भाव में 10वें भाव में स्थित ग्रह उस भाव के विषयों को अपना लेता है, और उसकी अवधि उन्हें आगे ला सकती है।
शनि	मुख्य	10वें भाव में 10वें भाव में स्थित ग्रह उस भाव के विषयों को अपना लेता है, और उसकी अवधि उन्हें आगे ला सकती है। सेवा के 6ठे भाव के स्वामी 6वें भाव का स्वामी सेवा और रोज़मर्रा के काम से जुड़ा माना जाता है, और आधुनिक ज्योतिषी उसकी अवधियों को नौकरी से जोड़ते हैं। शास्त्रीय ग्रंथ इसे अलग तरह से देखते हैं, इसलिए यहां यह अवधि को सहारा देता है, उसे प्रबल नहीं बनाता।
शुक्र	मुख्य	दशम भाव के स्वामी 10वें भाव का स्वामी आपकी कुंडली में काम और प्रतिष्ठा का स्वामी माना जाता है। BPHS 48 उसकी अवधि को कामकाज में पहचान से जोड़ता है। 10वें भाव पर दृष्टि 10वें भाव पर दृष्टि करने वाला ग्रह उसे प्रभावित करता है, इसलिए उसकी अवधि सहायक रूप में काम कर सकती है।





RashiDaily

इस रिपोर्ट के बारे में

यह पारंपरिक वैदिक पद्धतियों पर आधारित करियर-समय का ज्योतिषीय विश्लेषण है। नीचे बताया गया है कि आपकी कुंडली की गणना कैसे की गई और यह रिपोर्ट किन परंपरागत मानदंडों का पालन करती है।

कुंडली की गणना की विधि

आपकी कुंडली निरयन राशि-स्थितियों में लाहिरी अयनांश और Swiss Ephemeris से निकाली गई है। इसमें लग्न से Whole Sign भाव लिए गए हैं, और विंशोत्तरी दशा चंद्रमा की जन्म-स्थिति से तय की गई है। क्योंकि जन्म समय बहुत महत्व रखता है, कुछ मिनटों का अंतर तिथियों को हफ्तों तक खिसका सकता है, इसलिए यह रिपोर्ट महीनों में समय देती है।

करियर काल चुनने के मानदंड

दशमेश, जिसकी अवधि को BPHS कार्य में पहचान से जोड़ता है, और 10वें भाव में स्थित कोई भी ग्रह प्रमुख माने जाते हैं। आधुनिक ज्योतिषी 6वें और 11वें भाव के स्वामी तथा 10वें भाव पर दृष्टि करने वाले ग्रहों को भी जोड़ते हैं, और यह रिपोर्ट उन्हें सहायक मानती है। जब एक प्रमुख ग्रह अपनी अंतरदशा चलाता है और कोई दूसरा करियर ग्रह उसकी महादशा चलाता है, तब अवधि प्रबल संकेतित मानी जाती है; और जब इनमें से केवल एक करियर ग्रह महादशा या अंतरदशा में हो, तब संकेतित मानी जाती है। 8वें या 12वें भाव के स्वामी की वे अंतरदशाएँ जिनकी कोई करियर भूमिका नहीं है, धैर्य मांगने वाली अवधियाँ के रूप में सूचीबद्ध हैं। रिपोर्ट खरीद की तारीख के बाद के दस वर्ष देखती है, और 18वें जन्मदिन से पहले का समय इसमें शामिल नहीं करती।

हर काल का आकलन कैसे किया जाता है

हर अवधि के ग्रहों का आकलन उसी तरह किया जाता है जैसे पराशर किसी अवधि का आकलन करते हैं। जो ग्रह उच्च का हो, स्वराशि में हो, या केंद्र या त्रिकोण में स्थित हो, उसे अच्छी स्थिति में माना जाता है; जो नीच का हो, या 6वें, 8वें या 12वें भाव में स्थित हो, उसे दबाव में माना जाता है। अंतरदशा के स्वामी को महादशा के स्वामी से भी देखा जाता है: उससे केंद्र, त्रिकोण या ग्यारहवाँ स्थान अनुकूल है, और छठा, आठवाँ या बारहवाँ नहीं। यह रिपोर्ट मित्र या शत्रु राशि और ग्रह के अस्त होने को नहीं तौलती, और राहु तथा केतु की स्थिति का आकलन नहीं करती। किसी काल का नाम बताता है कि उस पर किन ग्रहों का अधिकार है; स्थिति बताती है कि वे ग्रह कैसे स्थित हैं।

कुंडली के कारक चुनने के मानदंड

कार्य का प्रकार उस नवांश-राशि के स्वामी से देखा जाता है जिसमें आपका दशमेश बैठा है, जैसा फलदीपिका 5.1 में दिया गया है। फलदीपिका दशमेश की गणना लग्न, चंद्र या सूर्य में से जो सबसे बलवान हो, उससे करती है; यह रिपोर्ट केवल लग्न से करती है, क्योंकि यह बल का मापन नहीं करती। बल और चुनौती BPHS अध्याय 21 से, शुभ और पाप ग्रह BPHS 3.11 से, और नौकरी-व्यवसाय के संबंध आधुनिक परंपरा से लिए गए हैं।

D10 कुंडली कैसे देखी जाती है

D10 का विभाजन BPHS 6.13 से 6.14 के अनुसार होता है, 3-डिग्री भागों में; विषम राशियाँ अपनी ही राशि से और सम राशियाँ अपनी 9वीं राशि से ली जाती हैं। केवल ग्रहों की D10 राशियाँ देखी जाती हैं, D10 का अपना लग्न कभी नहीं, क्योंकि वह जन्म समय के कुछ ही मिनटों में बदल सकता है।

रिपोर्ट का परिचय

यह रिपोर्ट पारंपरिक वैदिक तकनीकों से आपकी कुंडली का ज्योतिषीय विश्लेषण है। इसमें दिए गए काल और कारक संकेत हैं, निश्चित बातें नहीं और न ही करियर-सलाह; वास्तव में क्या घटेगा, यह कौशल, प्रयास और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।